an>

Title: Regarding delay in determination of poverty line.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : अध्यक्ष महोदया, झारखंड, जिस राज्य से मैं आता हूं, वह नक्सलिज्म, टेरोरिज्म और बंगलादेशी घुसपैठिये, इन तीनों से जूझ रहा है। इस कारण वहां बड़े पैमाने पर विस्थापन और पलायन हो रहा है। ...(व्यवधान) मैंने अपने क्षेत्र गोड्डा में विस्थापन और पलायन के बारे में कहा है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Your issue is regarding delay in determination of poverty line. That is why I am asking.

श्री निशिकान्त दुबे : यस, उसी पर कह रहा हूं। आप पहले मेरी बात पूरी सुन लीजिए। ...(व्यवधान) यह जो विस्थापन और पलायन हो रहा है, उसका कारण यह है कि हमारे यहां 70 परसेंट से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं। हम अमीर हैं। झारखंड इस देश को खिला-पिला रहा है। 50 परसेंट से ज्यादा माइन्स और मिनरल्स केवल झारखंड कंट्रोल करता है। इस कारण गोड्डा में एक बड़ी घटना हो गयी है। वहां बच्चे बेचे जा रहे हैं। केरल में अल्पसंख्यक बच्चे वर्ष 2007 से लगातार, मैडम, यह बहुत बड़ी घटना है, गरीबी रेखा का डिटरमिनेशन नहीं हो पा रहा है। वर्ष 2003 से लेकर अब तक 11 साल हो गये हैं, लेकिन अभी तक बीपीएल की सूची नहीं बन पा रही है। कौन गरीब है, कौन अमीर है, यह तय नहीं हो पा रहा है। वर्ष 2007 से हमारे यहां गोड्डा जिले में बच्चे बेचे जा रहे हैं और 260 बच्चे अभी केरल के मदरसे से वापस आये हैं। अल्पसंख्यक के नाम पर यह यूपीए सरकार चलती रही।

अध्यक्ष महोदया, मेरी आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट है कि आप रेंगल्टी जल्दी से जल्दी तय कीजिए और बीपीएल की सूची जल्द फाइनल कीजिए जिससे इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जो नौकर बन रहे हैं, जो ट्राइबल, आदिवासी और अल्पसंख्यक के साथ अन्याय हो रहा है, उस अन्याय का समाधान हो पाये।

मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से रिक्वैस्ट है कि जल्दी से जल्दी आप गरीबी रेखा का निर्धारण कर दीजिए जिससे अमीर और गरीब की खाई पट पाये। धन्यवाद।

HON. SPEAKER: Shri Shivkumar Udasi is allowed to associate with the matter raised by Shri Nishikant Dubey.